अन्य व्यक्तियों के लड़कों की संख्या कितनी-कितनी है ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय तथा संस्कृति विभाग में उप-मंत्री (श्री डी० पी० यादव) : 1971-72 वर्ष के दौरान केन्द्रीय विद्यालय कोटा में केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के 93 बच्चे दाखिल किये गये और उसका विवरण निम्न प्रकार है :—

(1) रक्षा कर्मचारियों के बच्चे 21

(2) रेलवे कर्मचारियों सहित केन्द्रीय सरकार के अन्य कर्मचारियों के बच्चे = 64

(3) अखिल भारतीय सेवाओं और न्यायत निकायों इत्यादि के स्थानान्तरणीय कर्मचारियों के बच्चे = 8

अनाज की खरीद के लिए एजेंसी

4529. **श्री ओंकार लाल बेरवा** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी अनाज खरीदने की व्यवस्था की है; और

(ख) यदि हां, तो किस एजेंसी की मारफत की गई है ?

कृषि मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णासाहिब पी० शिन्दे) : (क) जी हां।

(ख) भारतीय खाद्य निगम, राज्य सरकारों और सहकारी समितियों के माध्यम से अधिप्राप्ति की जाएगी।

Family Planning through Supply of Literature instead of Personal Meetings with Medical Advisers

4530. SHRI G. Y. KRISHNAN : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY PLANNING be pleased to state :

(a) whether majority of married couples do not want big family but consider this subject as very confidential or secret one and hesitate to tell the same even to the attending physician ; and

(b) if so, whether Government would supply to such couples the requisite information and technique of averting pregnancy (instead of meeting personally) to solve the problem ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (PROF. D. P. CHATTOPADHYAYA) : (a) Several studies show that a majority of couples are not in favour of big families. There is no conclusive evidence to suggest that married persons consider this subject as very confidential and hesitate to speak about it even to their attending physicians.

(b) All methods and media including literature, are utilised for informing, educating and persuading couples to adopt one or the other method of family planning. However, personal contact is a valuable method of motivation and cannot be abandoned.

Survey of Book Industry and Trade in India

4531. SHRI G. Y. KRISHNAN : Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state :

(a) whether a Committee was appointed by Government for comprehensive survey of the book industry and trade in India ; and

(b) if so, the recommendations made by this Committee ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE AND IN THE DEPARTMENT OF CULTURE (SHRI D. P. YADAV) : (a) Yes, Sir.

(b) The Committee has recommended that the survey may be entrusted to the National Council of Applied Economic Research. The matter is accordingly under discussion with the National Council of Applied Economic Research.

परिवार तथा बाल कल्याण परियोजना

4532. **श्री मूलचन्द डागा** : क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या समाज कल्याण विभाग द्वारा

ग्रामीण क्षेत्रों से परिवार तथा बाल कल्याण परियोजनाएं चलाई जा रही हैं, यदि हां, तो कब से और उन परियोजनाओं के कार्यकलाप क्या हैं;

(ख) उन राज्यों के नाम क्या हैं जहां इस प्रकार की परियोजनाएं अब चल रही हैं तथा जहां अभी नहीं चल रही हैं और केन्द्रीय सरकार द्वारा उन पर कुल कितनी धनराशि खर्च की जा रही है; और

(ग) क्या सरकार ने इन परियोजनाओं की उपयोगिता पर कभी विचार किया है और यदि हां, तो कब और उन व्यक्तियों के नाम क्या हैं जिन्हें इन परियोजनाओं के कार्यों की जांच करने का काम सौंपा गया था ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री के० एस० रामास्वामी) : (क) से (ग). एक विवरण पत्र जिसमें अपेक्षित जानकारी दी गई है, सभा के पटल पर रखा जाता है। [ग्रन्थालय में रखा गया। देखिये संख्या LT—1901/72]

केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वैच्छिक संगठनों को अनुदान दिया जाना

4533. **श्री मूलचन्द डागा** : क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड उन स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता देता है जो ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों के लिये कार्य करते हैं;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1969-1970 और 1971 में, अलग-अलग, किस-किस संगठन को कितनी-कितनी धनराशि दी गई थी और क्या उनको अनुदान देने से पूर्व उनके कार्यों की जांच की गई थी; और

(ग) राजस्थान में ऐसे स्वैच्छिक संगठनों की सीमा कितनी है जिन्हें सरकार वित्तीय सहायता देती है और उनमें प्रत्येक संगठन को किस तारीख से कितनी-कितनी सहायता दी जा रही है ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री के० एस० रामास्वामी) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) : केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड स्वयं सेवी संस्थाओं को यह सुनिश्चित करने के बाद कि अनुदान पाने वाली संस्थाओं का काम संतोषजनक है; सहायता कार्यक्रमों में विहित किए गए सिद्धांतों और प्रक्रिया के अनुसार अनुदान देता है। मांगे गए ब्यौरे के अन्तर्गत सैकड़ों ही संस्थाएं आती हैं; केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड द्वारा स्वयंसेवी संस्थाओं को दी गई कुल धनराशियां नीचे दी गई है :—

1969-70	6,02,907 रुपए
1970-71	4,79,000 रुपए
1971-72	4,84,117 रुपए

भेड़ों के लिए चरागाहों का विकास

4534 **श्री मूलचन्द डागा** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार पशुधन को भी उतना ही महत्व देती है जितना कि कृषि को;

(ख) क्या भेड़-पालकों को चरागाहे न होने से बहुत कठिनाई हो रही है; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार चरागाहों का विकास करने का है और यदि हां, तो इस सम्बन्ध में अब तक क्या कदम उठाये गये हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रो० शेरसिंह) : (क) जी हां। अनुगामी पंचवर्षीय योजनाओं के दौरान केन्द्रीय तथा राज्य सरकारें, दोनों पशु विकास क्रियाकलापों की गति बढ़ाने पर काफी ध्यान दे रही हैं। प्रत्येक योजना में पशु-पालन तथा डेरी विकास के लिये बजट